



अभ्यास कार्य- 3

विषय : हिंदी

कक्षा - 9

अक्टूबर 2026

स्पर्श भाग (1)

शुक्रतारे के समान

प्रश्न 1 महादेव भाई की लिखावट और नोट के विषय में गांधीजी क्या कहते थे?

प्रश्न 2 लेखक ने महादेव भाई देसाई को 'शुक्रतारा' क्यों कहा है? विस्तार से लिखिए।

वैज्ञानिक चेतना के वाहक: चंद्रशेखर वेंकट रामन्

प्रश्न 1 रामन् के प्रारंभिक शोध कार्य को 'आधुनिक हठयोग' क्यों कहा गया है?

प्रश्न 2 'रामन् प्रभाव' क्या है और इसकी खोज से विज्ञान के क्षेत्र में क्या बदलाव आए?

संचयन भाग (1) कल्लू कुम्हार की उनाकोटी

प्रश्न 1 'उनाकोटी' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बतलाएँ कि यह स्थान इस नाम से क्यों प्रसिद्ध है?

प्रश्न 2 कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से किस प्रकार जुड़ गया ?

अपठित गद्यांश

सच्ची राष्ट्रभक्ति केवल सीमाओं पर बंदूक तानकर खड़े होने या राष्ट्रीय पर्वों पर उद्घोष करने तक सीमित नहीं है बल्कि इसका वास्तविक प्रकटीकरण नागरिक के दैनिक आचरण और उसकी सामाजिक जवाबदेही में होता है। किसी भी राष्ट्र की अंतर्निहित शक्ति उसकी भौगोलिक विशालता से नहीं अपितु उसके नागरिकों की नैतिक दृढ़ता और श्रम के प्रति उनकी निष्ठा से मापी जाती है। आज जब वैश्वीकरण के दौर में संस्कृतियों का घालमेल हो रहा है तब अपनी जड़ों से जुड़े रहकर वैश्विक क्षितिज पर चमकना ही सच्ची वैज्ञानिक और तार्किक चेतना है। जब एक डॉक्टर पूरी ईमानदारी से मरीज का इलाज करता है, एक शिक्षक बिना किसी भेदभाव के ज्ञान का दीप जलाता है और एक सफाईकर्मी निष्ठापूर्वक अपना कर्तव्य निभाता है, तो वे सभी राष्ट्र निर्माण में समतुल्य योगदान दे रहे होते हैं। इसके विपरीत व्यवस्था को दोष देकर अपनी ज़िम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लेना छद्म नागरिकता का परिचायक है। प्रगति की राह पर अग्रसर होने के लिए हमें आत्ममुग्धता के जाल से बाहर निकलकर आत्मसमीक्षा की आदत डालनी होगी।

1: गद्यांश के अनुसार 'छद्म नागरिकता' का क्या लक्षण है?

- (क) सीमाओं पर जाकर युद्ध न लड़ना
- (ख) व्यवस्था की कमियाँ निकालकर अपनी ज़िम्मेदारियों से पीछे हट जाना
- (ग) विदेशी वस्तुओं का अधिक उपयोग करना
- (घ) तार्किक और वैज्ञानिक सोच का अभाव होना

2: लेखक के अनुसार किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति का पैमाना क्या है?

- (क) उसका भौगोलिक क्षेत्रफल और सैन्य शक्ति
- (ख) उसकी आर्थिक नीतियाँ और वैश्विक व्यापार
- (ग) नागरिकों की नैतिक दृढ़ता और परिश्रम के प्रति उनका समर्पण
- (घ) राष्ट्रीय पर्वों पर होने वाले भव्य आयोजन

3: वैश्वीकरण के इस दौर में एक सजग नागरिक से क्या अपेक्षा की गई है?

- (क) वह अपनी मूल संस्कृति को पूरी तरह छोड़ दे
- (ख) वह बाहरी दुनिया से संपर्क काटकर अपनी सीमाओं में सिमट जाए
- (ग) वह बिना तर्क के हर पुरानी परंपरा को राष्ट्रभक्ति मान ले
- (घ) वह अपनी जड़ों (सांस्कृतिक मूल्यों) से जुड़कर वैश्विक स्तर पर तार्किक पहचान बनाए

4: गद्यांश में डॉक्टर, शिक्षक और सफाईकर्मियों के उदाहरणों के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है?

5: "प्रगति की राह पर अग्रसर होने के लिए हमें आत्ममुग्धता के जाल से बाहर निकलना होगा।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

व्याकरण

निम्नलिखित वाक्यों में सही विराम चिह्न लगाइए।

1. अरे तुम कब आए
2. मुझे बाज़ार से सेब केला आम और अंगूर लाने हैं
3. क्या आपने अपना गृहकार्य पूरा कर लिया
4. माता पिता की सेवा करना हमारा कर्तव्य है
5. महात्मा गांधी ने कहा था सत्य ही ईश्वर है

6. निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य को दोबारा लिखिए:

वाक्य: नेताजी ने कहा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा

7. लाघव चिह्न (०) का प्रयोग कब किया जाता है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

8. निर्देशक चिह्न (—) और योजक चिह्न (-) के बीच मुख्य अंतर क्या है?

रचनात्मक लेखन

प्रश्न 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान' विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।